भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
10.07.2019 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2843 का उत्तर

रेल प्रचालन में सुरक्षा

2843. कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देलः
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदेः
श्री एस. ज्ञानतिरावियमः
श्री गिरीश भालचन्द्र बापटः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेल प्रचालन में सुरक्षा बढ़ाने हेतु पैनल इंटरलॉकिंग/रूट रिले इंटरलॉकिंग/इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (पीआई/आरआरआई/ईआई) सहित मल्टी आस्पेक्ट कलर लाइट सिग्नल के साथ एडवांस्ड सिग्नलिंग सिस्टम अनिवार्य है;

(ख) यदि हां, तो अब तक मल्टी आस्पेक्ट कलर लाइट सिग्नल के साथ पैनल इंटरलॉकिंग/रूट रिले इंटरलॉकिंग/इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कितने रेलवे स्टेशनों को प्रदान की गई है; और

(ग) एनसीआर जोन के महोबा जैसे रेलवे स्टेशनों में एडवांस्ड सिग्नलिंग सिस्टम कब तक प्रदान किए जाने की संभावना है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क): जी हां।

(ख): रेलवे को सुरक्षित और कार्यकुशल बनाने के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा अपनी सिगनल प्रणाली को निरंतर अपग्रेड किया जा रहा है।

भारतीय रेल पर 31.05.2019 तक 5900 स्टेशनों पर बहु-आयामी रंगीन रोशनी वाले सिगनलों सहित पैनल इंटरलॉकिंग/ रूट रिले इंटरलॉकिंग/ इलेक्ट्रोनिक इंटरलॉकिंग (पीआई/ आरआरआई/ ईआई) वाली उन्नत सिगनल प्रणाली की व्यवस्था की गई है।

(ग): उत्तर मध्य रेलवे के महोबा स्टेशन पर 24.11.2011 को बहु-आयामी रंगीन रोशनी वाले सिगनलों सहित पैनल इंटरलॉकिंग (पीआई) जैसी उन्नत सिगनल प्रणाली की व्यवस्था की गई थी।

******

sk